Daily Current Affairs
Govt. Jobs
SSC
Bank
Railway
IAS-PCS
GK
eBooks
तैयारी की पूरी जानकारी हिन्दी मे
SarkariHelp.com

SSC

सामान्य अध्ययन 2016-17

अध्यायवार हल प्रश्नोत्तर एवं अध्ययन सामग्री

संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2), स्नातक स्तरीय परीक्षा, सीपीओ (CPO) परीक्षा, मल्टीटास्किंग एवं स्टेनोग्राफर आदि परीक्षाओं हेतु उपयोगी

अध्यायवार हल प्रश्नोत्तर एवं अध्ययन सामग्री

SarkariHelp

भारतीय इतिहास

I. प्राचीन भारतीय इतिहास

भारतीय इतिहास के प्राचीन काल को सामान्यतया तीन कालखण्डों में विभाजित किया जाता है—(1) प्रागैतिहासिक काल, (2) आद्य ऐतिहासिक काल एवं (3) पूर्ण ऐतिहासिक काल। प्रागैतिहासिक काल के अंतर्गत सामान्यतया पाषाण संस्कृतियों को रखा जाता है एवं आद्य ऐतिहासिक काल के अंतर्गत सैंधव सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) और ऋग्वैदिक सभ्यता को रखा जाता है। पूर्ण ऐतिहासिक काल का आरंभ मौर्य काल से माना जाता है।

प्राचीन भारत के इतिहास को अध्ययन की दृष्टि से निम्न भागों में बांटा गया है—✸ पुरातत्व और प्रागैतिहासिक काल ✸ सिन्धु घाटी की सभ्यता ✸ वैदिक संस्कृति ✸ संगम काल ✸ प्राचीन भारतीय धर्म एवं दर्शन ✸ मौर्य साम्राज्य ✸ मौर्योत्तर काल (शुंग वंश, भारत पर विदेशी आक्रमण, पहलव वंश एवं कुषाण वंश) ✸ गुप्तकाल ✸ गुप्तोत्तर काल ✸ राजपूत काल (भारतीय उपमहाद्वीप पर अरबों का आक्रमण और भारत पर तुर्क आक्रमण)।

1. पुरातत्व और प्रागैतिहासिक काल

प्रागैतिहासिक काल (Pre-History Age) को मानव सभ्यता की दृष्टि से सबसे आरंभिक काल माना जाता है। मानव जाति के इस आरंभिक काल के इतिहास का अध्ययन करने हेतु उपलब्ध सामग्री के आधार पर तीन मुख्य भागों—(1) पुरा पाषाण काल (Palaeolithic Age), (2) मध्य पाषाण काल (Mesolithic Age) तथा (3) नव पाषाण काल (Neolithic Age) में विभाजित किया गया है। नव पाषाण काल के अंतिम चरण में धातुओं (मानव द्वारा सर्वप्रथम जिस धातु का प्रयोग किया गया वह तांबा ही था) का प्रयोग प्रारंभ हो गया, जिस समय मानव ने पत्थर के साथ-साथ तांबे के औजारों का उपयोग प्रारंभ किया, इसको ताम्र-प्रस्तर (''कैल्कोलिथिक'' अर्थात् पत्थर व तांबे के उपयोग वाली अवस्था) काल कहते हैं।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में 'पुरातत्व और प्रागैतिहासिक काल''

- ''कैलिग्राफी'' किसे कहते हैं? —**सुलेखन को (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी) परीक्षा, 1999)**
- पुरालेख विद्या का क्या अभिप्राय है? —**शिलालेख का अध्ययन (C.P.O. परीक्षा, 2003)**
- प्रस्तर युग के लोगों के पास कौन सा घरेलू पशु थे? —**कुत्ता (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी) परीक्षा, 1998)**
- मानव अस्तित्व का प्रारम्भिक काल क्या था?—**पुरा पाषाण काल (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)**

विशिष्ट तथ्य ''प्रागैतिहासिक काल''

- प्रागैतिहासिक काल की सभ्यता का उदभव एवं विकास ''प्रतिनूतन काल'' या ''प्लाइस्टोसीन एज'' में हुआ।
- पुरातत्व अवशेषों के तिथि निर्धारण तथा सभ्यता के विविध पहलुओं का अध्ययन करने विविध विद्वानों द्वारा कई विधियां अपनाई गई हैं, कुछ विशेष एवं वैज्ञानिक विधियों का वर्णन इस प्रकार है—
  1. **फ्लोरीन परीक्षण विधि** के द्वारा तिथि का निर्धारण किया जाता है। इस विधि में जो हड्डी या दांत जितना पुराना होगा उसमें उतना ही अधिक फ्लोरीन की मात्रा होगी। इसका प्रयोग सर्वप्रथम **ओकले** ने किया।
  2. **वृक्ष वलय निर्धारण विधि** की खोज **डगलस** ने किया। इस विधि के अंतर्गत वलयों की संख्या के आधार पर 3000 वर्ष पहले तक के कालक्रम को ज्ञात किया जाता है।
  3. **रेडियो कार्बन विधि** की खोज लिब्बी महोदय ने किया। इसके अंतर्गत C14 के द्वारा पदार्थ की मात्रा के विघटन के आधार पर ज्ञात किया जाता है। अगर पदार्थ 50 प्रतिशत विघटित हुआ है, तो इतने विघटन में 5568 वर्ष का समय लगेगा।
- मुद्राशास्त्र को न्यूमिस्मेटिक्स कहते हैं, इसके अंतर्गत सिक्कों का वर्णन करते हैं।
- पुरालेखशास्त्र को एपिग्राफी कहते हैं, इसके अंतर्गत अभिलेखों (शिलालेख) का अध्ययन करते हैं।
- पुरालिपिशास्त्र को पेलियग्राफी कहते हैं इसके अंतर्गत प्राचीन लिपि का अध्ययन किया जाता है।
- सुलेखन को कैलिग्राफी कहते हैं। सुंदर हस्तलेख (सुलेखन) के लिए मुहम्मद बिन तुगलक इतिहास में प्रसिद्ध है।
- निम्न पुरापाषाण काल के प्रमुख स्थल—कश्मीर, बेलन घाटी के अन्तर्गत मिर्जापुर (यू.पी.), भीमबेटका (मध्य प्रदेश)।
- भारत में पाषाण कालीन सभ्यता का अनुसंधान सर्वप्रथम 1863 ई. में प्रारंभ हुआ।
- दक्षिण भारत से हैण्डएक्स परम्परा के उपकरण सर्वप्रथम मद्रास के पल्लावरम् नामक स्थान से राबर्ट ब्रुस फुट ने 1863 में प्राप्त किया।
- मध्यपुरा पाषाण काल में पत्थर के गोले से वस्तुओं का निर्माण होने लगा।
- मध्यपुरा पाषाण काल के मुख्य स्थल—मिर्जापुर (यू.पी.), नेवासा (महाराष्ट्र), ओडिशा आदि।
- मध्यपुरा पाषाण काल को 'फलक संस्कृति' (Flake Culture) भी कहा जाता है।

तैयारी की पूरी जानकारी हिन्दी मे SarkariHelp.com

- उच्च पुरा पाषाण काल सबसे पुरानी चित्रकारी के प्रमाण (भीमबेटका) इसी काल के हैं। पत्थर के ब्लेडों से उपकरण बनने लगे।
- इस काल के प्रमुख स्थल हैं—बीजापुर, इनाम गाँव (महाराष्ट्र), बेलन घाटी (उत्तर प्रदेश)।
- आधुनिक प्रकार के मानव का विकास इसी काल में हुआ।
- मध्य पाषाण काल प्रमुख स्थल हैं—लंघनाज (गुजरात), आदमगढ़ (म. प्र.), बागोर (राजस्थान) आदि।
- मध्य पाषाण काल आदमगढ़ व बागोर से पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- नव पाषाणकाल स्थल 'कोल्डी हवा (उ. प्र.) से विश्व में चावल उत्पादन का प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त (6000 ई. पू.) हुआ है।
- कृषि का सर्वप्रथम साक्ष्य मेहरगढ़ से प्राप्त होता है।

महत्त्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर और तथ्य

- भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं **—मेहरगढ़ से (5000 ई. पू.)**
- किस मध्य पाषाणिक स्थल से पशुपालन के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं **—सराय नाहर राय**
- भीमबेटका प्रसिद्ध है **—गुफा शैल चित्र के लिए**

2. सिन्धु घाटी की सभ्यता

सैंधव सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता, सिन्धु सभ्यता, सिन्धु-सरस्वती सभ्यता, कांस्य युगीन सभ्यता तथा प्रथम नगरीय क्रांति आदि संबोधनों से अभिहित किया जाता है। यह भारतीय सभ्यता व संस्कृति के लंबे वैविध्यपूर्ण कथानक का प्रारंभिक बिन्दु है। बीसवीं सदी के आरंभ तक इतिहासकारों एवं पुरातत्त्ववेत्ताओं (भारतीय पुरातत्व विभाग का जन्मदाता अलेक्जेंडर कनिंघम को माना जाता है, जबकि पुरातत्व विभाग की नींव वायसराय लॉर्ड कर्जन के काल में पड़ी) की यह धारणा थी कि वैदिक सभ्यता भारत की प्राचीनतम सभ्यता है। जब भारतीय पुरातत्व विभाग के महानिदेशक जान मार्शल थे, तब दयाराम साहनी ने 1921 में ''हड़प्पा'' तथा राखाल दास बनर्जी ने 1922 में ''मोहनजोदड़ो'' नामक स्थलों से पुरातात्विक वस्तुओं को प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि वैदिक सभ्यता से पूर्व भी भारत में एक अन्य सभ्यता (सैंधव सभ्यता) विद्यमान थी। सिन्धु घाटी सभ्यता विश्व की प्राचीनतम् सभ्यताओं (मिस्र, मेसोपोटामिया, सुमेर एवं क्रीट) के समय से ही विकसित थी।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''सिंधु घाटी की सभ्यता''

- हड़प्पा सभ्यता किससे संबंधित है?—**कांस्य युग (सीमा सुरक्षा बल (सब-इंस्पेक्टर्स) विशेष भर्ती, 1997)**
- गुजरात के किस स्थान पर हड़प्पा की सभ्यता के अवशेष मिले थे? **—लोथल (लोअर डिवीजन क्लर्क परीक्षा,, 1998)**
- भारत में आर्य सर्वप्रथम कहां आकर बसे? **—सिंधु घाटी (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी) 1999)**
- पैमानों की खोज ने यह सिद्ध कर दिया है कि सिंधु घाटी के लोग माप और तौल से परिचित थे। यह खोज कहां से प्राप्त हुई थी? **—हड़प्पा (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)**
- हड़प्पा काल की मुद्राओं के निर्माण में मुख्य रूप से किस द्रव्य का उपयोग किया गया था? **—टेराकोटा (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2000)**
- सिंधु घाटी के घर किसके बनाए जाते थे? **—ईंट (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2001)**
- हड़प्पा के निवासी कैसे थे? **—शहरी (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2001)**
- सिंधु घाटी की सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या था? **—कृषि कार्य (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2001)**
- अपवाह तंत्र का निर्माण सबसे पहले किस सभ्यता के लोगों ने किया था? **—सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों ने (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)**
- ईंटों की कृत्रिम गोदी (डॉकयार्ड) वाला एक मात्र सिंधु स्थल कौन सा था? **—लोथल (सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2005)**
- लोथल नामक स्थान पर किस सभ्यता का जहाजी मालघाट था? **—सिंधु घाटी (सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2006)**
- सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषता क्या है? **—व्यवस्थित शहरी जीवन (सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2007)**
- सिंधु सभ्यता के लोग प्रायः अपने मकान बनाते थे? **—पक्की ईंटों से (सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2008)**
- सिंधु सभ्यता के शहरों की गलियां कैसी थीं?—**चौड़ी और सीधी (C.P.O. परीक्षा, 2011)**
- सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषता क्या थी? **—नगर सभ्यता (F.C.I. असिस्टेंट परीक्षा, 2012)**
- धातु से बने सिक्के सबसे पहले प्रगट हुए?—**हड़प्पा सभ्यता से (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी व डी) परीक्षा, 2011)**
- सिंधु सभ्यता का बंदरगाह वाला नगर था **—लोथल (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी व डी) परीक्षा, 2011)**
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग किस देवता की पूजा करते थे? **—पशुपति (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)**

तैयारी की पूरी जानकारी हिन्दी मे
SarkariHelp.com